TOB बालमंच

मासिक दिसम्बर, 2020 नन्हीं कलम से ..... ✍

.....अलविदा - 2020

इस अंक में पढ़ें

सर्दियों में मुँह से भाप क्यों निकलता है ?

ग्राफिक्स डिजाइनर :- त्रिपुरारि राय
म. वि. रौटी, महिषी (सहरसा)

अंक – सप्तम

संपादिका :- रूबी कुमारी
उ. म. वि. सरौनी, बौंसी

सम्पादकीय

बाल कलाकारों के उत्कृष्ट क्रियाकलापों, रचनाओं, गतिविधियों को समर्पित मासिक पत्रिका "बालमंच, नन्हीं कलम से... का सातवां अंक प्रकाशित करते हुए अपार हर्ष की अनुभूति हो रही है। छठे अंक का प्रकाशन हमारे लिए काफी गौरवपूर्ण रहा। हमें शिक्षा जगत के कई दिग्गजों का तथा अभिभावकों का स्नेह प्राप्त हुआ। उन्होंने इस पत्रिका को बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए अति उपयोगी बताते हुए इसके निरंतर प्रकाशन की शुभकामना भी की।

यह दिसंबर माह अनेक महत्वपूर्ण दिवस जैसे विश्व एड्स दिवस,डॉ राजेंद्र प्रसाद का जन्म दिवस,विश्व दिव्यांग दिवस, क्रिसमस डे इत्यादि मनाए जाने के लिए अति महत्वपूर्ण रहा। 4 जनवरी 2021 को बिहार सरकार के द्वारा विद्यालय खोले जाने का निर्णय भी इसी माह लिया गया। जिसके फलस्वरूप विद्यालयों में फिर से नन्हे-मुन्नों की किलकारियां गूंज सकेगी। इसके लिए मैं बिहार सरकार का आभार प्रकट करती हूं।

इस वर्ष कोरोना काल में हमने अनेक सावधानियों को अपनाकर खुद को तथा समाज को सुरक्षित रखा। नए वर्ष में भी हम इसी प्रकार खुद सुरक्षित रह कर समाज को भी सुरक्षित रखेंगे। नव वर्ष की ढेर सारी शुभकामनाओं के साथ.....

रूबी कुमारी
सहायक शिक्षिका,
UMS सरौनी ,बौंसी (बाँका)

सर्वाधिकार सुरक्षित,
संपादिका

दीपक कुमार

श्रेया आनंद

रूपक कुमार

जिज्ञासा, आदित्य, दीक्षा, प्राची द्वारा तैयार क्रिश्मस ट्री पेपर क्राफ्ट

उदबोधन

त्रिपुरारि राय
ग्राफिक्स डिजाईनर, बालमंच

आप सबों के बीच बालमंच का **सप्तम** संस्करण को प्रस्तुत करते हुए हमें अपार खुशी हो रही है | कोरोनाकाल के बादल अब छंट गए हैं| अगले माह से विद्यालय में आप फिर से अपने गुरुजनों से रू-ब-रू होंगे| विद्यालय में आपकी उपस्थिति विद्यालय की शोभा बढ़ाएगी| बालमंच की व्यापक चर्चा होगी| दुगुने उत्साह से आप सबों की अपनी रचनाएँ छापी जाएंगी| आइए एक नए कल का शुरुआत नए उमंग और हर्षोल्लास से करते हैं|

नववर्ष की ढेर सारी शुभकामनाएं सहित|

त्रिपुरारि राय
सहायक शिक्षक,
म.वि. रौटी, महिषी (सहरसा)
मो.- 6202839650

ADVANTAGE OF MOBILE PHONE

"Mobile phone is a good technology which is not lacking from our lives. This report will discuss the advantages of using phones. Today mobile phone has become popular to everybody since it is very convenient. The most advantage of having a mobile phone is you can communicate to your friends by calling or sending messages everywhere without electricity. It is maybe the main reason why almost all people today choose to own a mobile phone . Nowdays mobile phones are also used for SMS, internet browsing, video games, photography, sending Email and a lot more things. Hence mobile phone is also called as a "smart phone" ....

:- Kumar Suyash Anand,
Class-7

" वन के दृश्य"

वन में होते हैं वृक्ष घने
उनकी शीतल छाया,
उनमें घूमते पशु-पक्षी सारे
भालू ,मोर ,सिंह, बंदर मामा प्यारे,

वन का दृश्य होता है अनोखा,
वन में बहती नदियों की धारा,
लगते कितने प्यारे
और पक्षियों का कलरव
लगता है बहुत मनमोहक।

:- प्रज्ञा आनंद,
वर्ग -- 7

अक्षरा

शुभकामना सन्देश

बच्चों की पत्रिका 'बालमंच' बहुत ही रोचक और रचनात्मक है | अच्छा लगता है जब बच्चे अपनी छिपी प्रतिभा को सामने लाते हैं | यह पत्रिका बच्चे ही नहीं अपितु शिक्षकों के लिए भी प्रेरणादायक है | शिक्षा का आधार ही है – "करके सीखना" (Learning by Doing), जिसमें इस पत्रिका की अहम भूमिका है|

मुझे खुशी है कि इस पत्रिका का ग्राफिक्स डिजाइनर श्री त्रिपुरारि राय सहरसा के शिक्षक हैं | इनके सहित संपादक मंडल के सभी सदस्यों को पत्रिका प्रकाशन के लिए कोटि-कोटि धन्यवाद|

आशा करता हूँ कि अन्य शिक्षक बंधु इस पत्रिका को आगे बढ़ाने में अपनी महती भूमिका निभाएंगे |

नववर्ष की शुभकामना सहित |

तकीउद्दीन अहमद

क्षेत्रीय शिक्षा उपनिदेशक,

कोशी प्रमंडल सहरसा

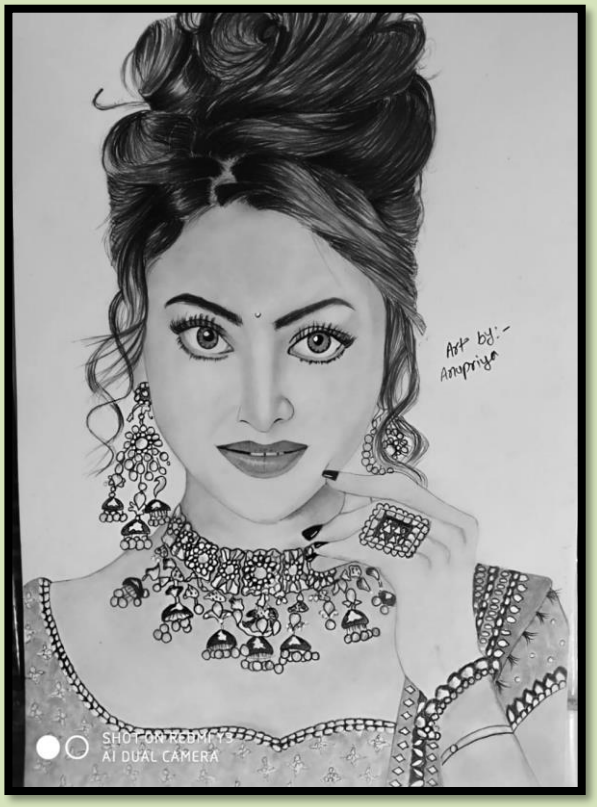

HANDYCRAFT

अनुप्रिया

प्रेरक प्रसंग

विकाश कुमार (शिक्षक)
म.वि. महिसरहो, महिषी (सहरसा)

केवल लक्ष्य पर ध्यान लगाओ

एक बार स्वामी विवेकानंद अमेरिका में भ्रमण कर रहे थे। अचानक, एक जगह से गुजरते हुए उन्होंने पुल पर खड़े कुछ लड़कों को नदी में तैर रहे अंडे के छिलकों पर बन्दूक से निशाना लगाते देखा। किसी भी लड़के का एक भी निशाना सही नहीं लग रहा था। तब उन्होंने ने एक लड़के से बन्दूक ली और खुद निशाना लगाने लगे। उन्होंने पहला निशाना लगाया और वो बिलकुल सही लगा, फिर एक के बाद एक उन्होंने कुल 12 निशाने लगाए। सभी बिलकुल सटीक लगे।

ये देख लड़के दंग रह गए और उनसे पुछा – स्वामी जी, भला आप ये कैसे कर लेते हैं ? आपने सारे निशाने बिलकुल सटीक कैसे लगा लिए? स्वामी विवेकनन्द जी बोले असंभव कुछ नहीं है, तुम जो भी कर रहे हो | अपना पूरा दिमाग उसी एक काम में लगाओ। अगर तुम निशाना लगा रहे हो तो तम्हारा पूरा ध्यान सिर्फ अपने लक्ष्य पर होना चाहिए। तब तुम कभी चूकोगे नहीं। यदि तुम अपना पाठ पढ़ रहे हो तो सिर्फ पाठ के बारे में सोचो। ***

जिज्ञासा

विश्व दिव्यांग दिवस

संयुक्त राष्ट्र की आधिकारिक वेबसाइट www.un.org के मुताबिक इस साल दिव्यांग दिवस की थीम है - "बेहतर पुनर्निमाण: कोविड-19 के बाद की दुनिया में विकलांग व्यक्तियों के लिए समावेशी, सुलभ और अनुकूल माहौल हो।" विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इस थीम का समर्थन किया है और कोविड-19 महामारी के दौरान दिव्यांग व्यक्तियों की जरूरत पर बल दिया है।

संयुक्त राष्ट्र आम सभा ने 1981 को "विकलांग व्यक्तियों का अंतर्राष्ट्रीय वर्ष" घोषित किया था। इसके बाद संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 1983 से 1992 को दिव्यांगों के लिए संयुक्त राष्ट्र के दशक की घोषणा की थी ताकि वो सरकार और संगठनों को विश्व कार्यक्रम में अनुशंसित गतिविधियों को लागू करने के लिए एक लक्ष्य प्रदान कर सकें। इसके बाद 1992 से 3 दिसंबर, विश्व दिव्यांग दिवस के रूप में मनाया जाने लगा।

:-साभार 'हिन्दुस्तान'
3 दिसम्बर, 2020

अमृषा आर्या

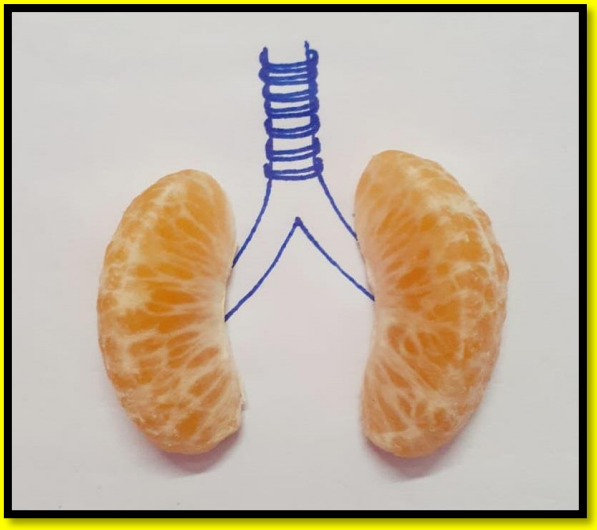

विशेष:-

विश्व एड्स दिवस

हर साल 1 दिसंबर को विश्व एड्स दिवस मनाया जाता है| इसका उद्देश्य लोगों को एड्स के प्रति जागरूक करना है | जागरूकता के तहत लोगों को एड्स के लक्षण, इसके बचाव, उपाय, उपचार, कारण इत्यादि के बारे में जानकारी दी जाती है | इसके लिए कई अभियान चलाए जाते हैं जिससे इस महामारी को जड़ से खत्म करने के प्रयास किए जा सकें, साथ ही एच.आई.वी. एड्स से ग्रसित लोगों की मदद की जा सके | भारत में भी एड्स अपने पैर पसारे हुए हैं लेकिन अपने देश में इसका इलाज होना बहुत मुश्किल है | इसके पीछे कई कारण हैं, जैसे एच.आई.वी. पॉजिटिव लोगों के साथ भेदभाव करना, लोगों में जागरूकता की कमी होना, लोगों के मन में एड्स को लेकर तरह-तरह के भ्रम होना, लोगों का असुरक्षित यौन संबंध बनाए जाना आदि | नए आंकड़ों के मुताबिक एड्स पीड़ितों में कमी आई है | यदि आप एड्स संबंधी महामारी से बचना चाहते हैं तो इसके लिए जरूरी है आप सावधानियां बरतें और एड्स से बचाव के उपाय को अपनाएं | **:- त्रिपुरारि राय**

कमलनयन

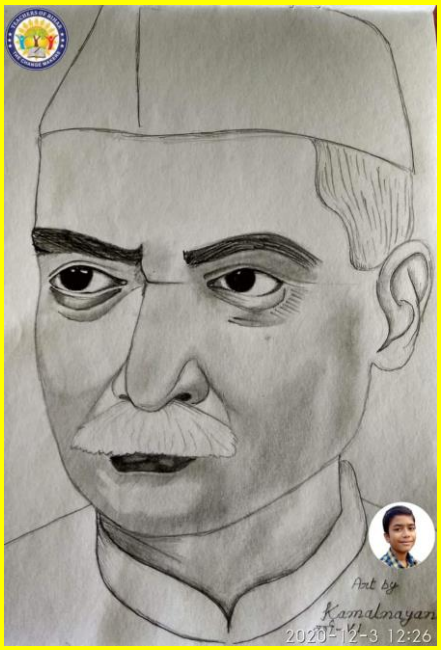

आयुष कुमार

अनुराग

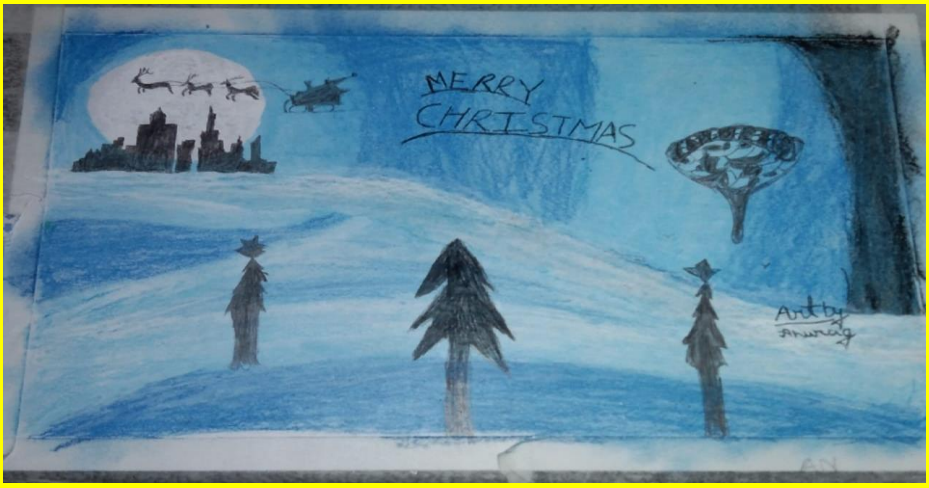

उत्तम कश्यप (शिक्षक)

विकसित भारत की ओर बढ़ते कदम .....

वैदिक काल से ही हमारे देश में शिक्षा की उत्तम व्यवस्था रही है। प्राचीन भारत की गुरुकुल व्यवस्था तत्कालीन विश्व की उच्च कोटि की शिक्षा व्यवस्था थी जिसमें व्यक्तित्व निर्माण नैतिक मूल्य पर विशेष बल दिया जाता था । यदि वैदिक शिक्षा पर सूक्ष्म अवलोकन किया जाए तो स्किल डेवलपमेंट के भी साक्ष्य प्राप्त होते हैं। इसी का परिणाम था कि सर्जरी द्वारा कृत्रिम नाक लगाए जाते थे । कालांतर में जैन एवं बौद्ध विहारों ने भी इसे आगे बढ़ाने का प्रयास किया परंतु इन दोनों ने आत्मज्ञान पर अतिशय बल दिया । हमारी शिक्षा व्यवस्था तुर्क, मुगल, अंग्रेजी शासकों का संरक्षण प्राप्त कर आज नए युग में प्रवेश कर रही है। आज की शिक्षा व्यवस्था में कंप्यूटर आधारित ज्ञान स्किल डेवलपमेंट एवं प्रौद्योगिकी पर ज्यादा बल दिया जा रहा है। बदलाव को देखते हुए भारत सरकार ने नई शिक्षा नीति प्रस्तुत की है जिसके द्वारा सरकार वर्षों से चली आ रही शिक्षा व्यवस्था में व्यापक बदलाव करने की योजना है। नई शिक्षा नीति के तत्व में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंसी, स्किल डेवलपमेंट, रोबोटिक नॉलेज भविष्य के भारत के संकेतक हैं, विकसित भारत की ओर बढ़ते कदम हैं। *

श्रेया झा

श्रुति झा

चुटकुले

टीचर : बताओ अगर एक छोटा ग्रह पृथ्वी से टकरा जाएगा तो क्या होगा ?
सोनू : टन-टन की आवाज आएगी।
टीचर: क्यों ?
पप्पू : क्योंकि..
सनी लियोनी ने गाया है,
ये दुनिया पित्तल दी..
ये दुनिया पित्तल दी..

Teachers of Bihar

फोटोज़ ऑफ द ईयर प्रतियोगिता

आपकी तस्वीर - आपकी पहचान

2020 को बनाए कुछ खास, भाग लें टीचर्स ऑफ बिहार के फोटोज़ ऑफ द ईयर प्रतियोगिता में और अपलोड करें अपने विद्यालय, बच्चों एवं शिक्षकों के आकर्षक एवं हाई क्वालिटी तस्वीरों को टीचर्स ऑफ बिहार के फेसबुक ग्रुप पर साथ ही मेल करें info@teachersofbihar.org पर अपने नाम विद्यालय के नाम, प्रखंड, जिला और #photooftheyear एवं #TeachersofBihar के साथ। फेसबुक पर लाइक के आधार पर चयनित सर्वश्रेष्ठ तस्वीरों को टीचर्स ऑफ बिहार के सभी मंचों पर दिखाया जाएगा एवं शिक्षा विभाग बिहार सरकार को प्रतिभागी के नाम एवं विद्यालय के नाम के साथ भेजा जाएगा। 10 सर्वश्रेष्ठ पोस्ट को मिलेगा अमेजॉन गिफ्ट वाउचर।

अंतिम तिथि- 15 जनवरी 2021

अधिक जानकारी के लिए विजिट करें
www.contest.teachersofbihar.org

PIC CREDITS: SHIV KUMAR

अनुष्का

उजाला

'समाचार पत्रों के नजर में

क्रिसमस पर रंगोली कार्यक्रम

सन्मार्ग/जगदीशपुर। मध्य विद्यालय जगदीशपुर में क्रिसमस डे की पूर्व संध्या पर क्रिसमस ट्री की रंगोली बना कर विद्यालय के शैक्षणिक माहौल को गति प्रदान करने की कोशिश की गई। इस अवसर प्रधानाध्यापक आशुतोष चंद्र मिश्र ने सभी बच्चों, शिक्षकों और अभिभावकों को क्रिसमस की हार्दिक शुभकामनाएं दी तथा प्रभु यीशु के संदेशों को आत्मसात करने की अपील की। इस अवसर पर बासुदेव, बिन्दु, प्रतिमा, राजीव, फूल कुमारी तथा मीनाक्षी आदि उपस्थित रहे।

टीचर्स ऑफ बिहार द्वारा कोडिंग सिखाना आरम्भ, कोडिंग सीखेगा बिहार, इच्छा है तो संभव है : रंजेश सिंह

प्रशिक्षण का माध्यम-जूम एप्प, प्रशिक्षण दिवस , रविवार और गुरुवार एवं प्रशिक्षण समय चालीस मिनट किया गया है तय

अररिया, संवाददाता

सोशल लर्निंग प्लेटफॉर्म टीचर्स ऑफ बिहार ने वर्तमान में एक नया कार्यक्रम आरम्भ किया है जिसका नाम है " कोडिंग सीखेगा बिहार, इच्छा है तो संभव है "। जैसा कि हम सभी जानते है इस कोरोनाकाल में सभी शैक्षणिक संस्थान बंद हैं।बच्चे घर मे बैठे ऑनलाइन अध्ययन करते हुए मोबाइल का भी प्रयोग खूब कर रहे हैं। दिन भर कंप्यूटर या मोबाइल पर वीडियो गेम खेलते रहते हैं । टीचर्स ऑफ बिहार के प्रदेश प्रवक्ता रंजेश सिंह ने बताया कि हमारी टीम ने सोचा है इन उपकरणों का सकारात्मक उपयोग किया जाए? बच्चों को गेम खेलने से ज्यादा ज्ञानार्जन की जरूरत है ! तो आपके बच्चे कई प्रोग्राम्स, कोडिंग कर के आसान तरीके से बना सकते हैं। प्रोग्रामिंग या कोडिंग ऐसा कौशल है जिसे कम इस्तेमाल के साथ घर बैठे विकसित किया जा सकता है। ज्यादातर माता-पिता इसे महसूस नहीं करते हैं, लेकिन ऑनलाइन ऐसे कई संसाधन हैं जो पैसे लेकर बच्चों को प्रोग्राम सीखने में मदद कर सकते है।

कोडिंग एक शानदार तरीका है बच्चों में तर्क कौशल और गणितीय क्षमताओं को विकसित करने के लिए। घर पर प्रोग्रामिंग सीखने के लिए आपको क्या करने की आवश्यकता है? बस किसी भी बुनियादी कंप्यूटर/ एंड्रायड एवं एक इंटरनेट कनेक्शन की।इस कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य शिक्षकों एवं बच्चों को निःशुल्क कोडिंग के प्रति जागरूक करना और सिखाना है। कार्यक्रम में मुख्य साधन सेवी की भूमिका बिहार के सरकारी विद्यालय के शिक्षक श्री सौरभ सुमन जी निभाएंगे। कार्यक्रम ऑनलाइन जूम एप्प पर आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में बहुत ही लिमिटेड सीट्स है तो पहले आओ पहले पाओ के आधार पर रजिस्ट्रेशन के आधार पर चयनित प्रतिभागियों की सूची जारी कर उनके साथ इस कार्यक्रम की शुरूआत की जाएगी। तो देर न करें आज ही इस रजिस्ट्रेशन फॉर्म को भरें और शामिल हों और कहें इच्छा है तो संभव है।प्रशिक्षण का माध्यम-जूम एप्प।प्रशिक्षण दिवस: सप्ताह के दो दिन रविवार और गुरुवार, प्रशिक्षण समय : चालीस मिनट.

समीक्षा राय

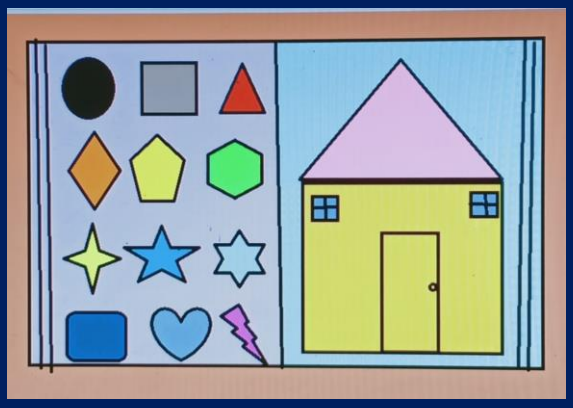

सक्षम राय, डिजिटल आर्ट

TEACHERS OF BIHAR
The change makers
अमर शहीद-19 दिसम्बर 1927
हम
अमन
चाहते है
जुल्म
के खिलाफ
फैसला अगर जंग से
हो, तो जंग ही सही!
रामप्रसाद बिस्मिल
/teachersofbihar

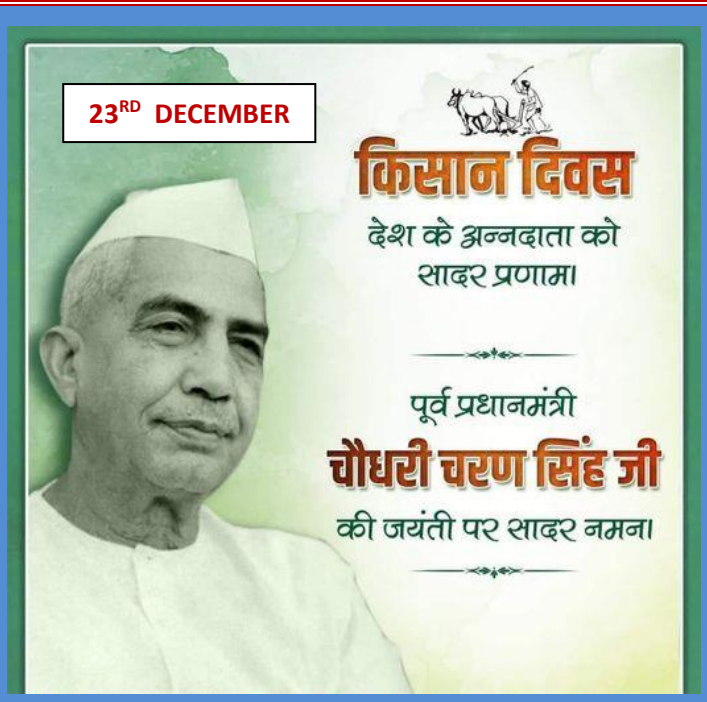
23RD DECEMBER
किसान दिवस
देश के अन्नदाता को
सादर प्रणाम।
पूर्व प्रधानमंत्री
चौधरी चरण सिंह जी
की जयंती पर सादर नमन।

25TH DECEMBER
महान स्वतंत्रता सेनानी 'शहीद'
सरदार उधमसिंह जी
की जयंती पर सादर नमन।

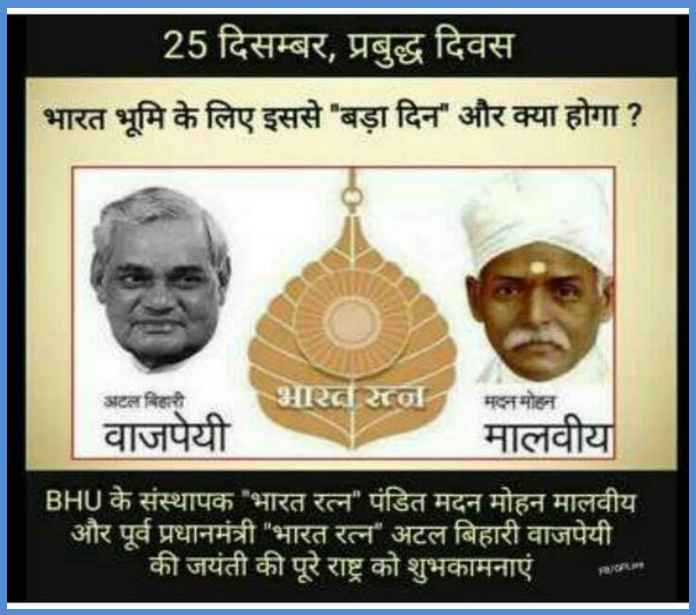
25 दिसम्बर, प्रबुद्ध दिवस
भारत भूमि के लिए इससे "बड़ा दिन" और क्या होगा ?
अटल बिहारी
वाजपेयी
भारत रत्न
मदन मोहन
मालवीय
BHU के संस्थापक "भारत रत्न" पंडित मदन मोहन मालवीय
और पूर्व प्रधानमंत्री "भारत रत्न" अटल बिहारी वाजपेयी
की जयंती की पूरे राष्ट्र को शुभकामनाएं

टीचर्स ऑफ बिहार उर्दू भाषा के सर्वकालिक महान शायर और फ़ारसी कविता के प्रवाह को हिंदुस्तानी जबान में लोकप्रिय करवाने वाले मिर्जा गालिब साहब को उनके जयंती पर शत् - शत् नमन करता है।
राकेश कुमार
मिर्जा गालिब
(मशहूर शायर)
जयंती विशेष
27 दिसंबर
पूरा नाम मिर्ज़ा असदउल्ला बेग ख़ान 'ग़ालिब'
जन्म 27 दिसम्बर 1797
जन्म भूमि आगरा, उत्तर प्रदेश
मृत्यु 15 फ़रवरी, 1869
मृत्यु स्थान दिल्ली
अभिभावक अब्दुल्ला बेग ग़ालिब
पति/पत्नी उमराव बेगम
कर्म भूमि दिल्ली
कर्म-क्षेत्र शायर
मुख्य रचनाएँ 'दीवान-ए-ग़ालिब', 'उर्दू-ए-हिन्दी', 'उर्दू-ए-मुअल्ला', 'नाम-ए-ग़ालिब', 'लतायफे गैबी', 'दुवपशे कावेयानी' आदि।
विषय उर्दू शायरी
भाषा उर्दू और फ़ारसी भाषा

टीचर्स ऑफ बिहार के
तरफ से सभी को
Happy Christmas
राकेश कुमार
क्रिसमस
25 दिसम्बर
अनुयायी ईसाई
उद्देश्य ईसा मसीह के जन्म की खुशी में मनाया जाने वाला पर्व है।
प्रारम्भ ऐसा अनुमान है कि पहला क्रिसमस रोम में 336 ई. में मनाया गया था।
तिथि 25 दिसंबर
उत्सव लोग अपने घरों को पेड़ों से सजाते हैं तथा हर कोने में मिसलटों को टांगते हैं।
सान्ताक्लॉज़ सेंट बेनेडिक्ट उर्फ सान्ताक्लॉज़, लाल रंग व सफेद रंग ड्रेस पहने हुए, एक वृद्ध मोटा पौराणिक चरित्र है जो समारोहों में, विशेष कर बच्चों के लिए एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

राष्ट्रीय गणित दिवस

NATIONAL MATHEMATICS DAY

(श्रीनिवास रामानुजन)
(22 दिसंबर 1887- 26 अप्रैल 1920)

22 दिसम्बर 1887 को जन्मे श्रीनिवास रामानुजन ने तीन साल की आयु तक बोलना शुरू नहीं किया था। तब किसी को अंदाजा भी नहीं था कि आने वाले समय में वे जीनियस कहे जाएंगे।

Sanjay kumar

रामानुजन रात-रात भर गणित के नए सूत्र स्लेट पर लिखते थे और फिर उन्हें एक रजिस्टर में उतार लेते थे जिसे वे हमेशा अपने पास रखते थे।

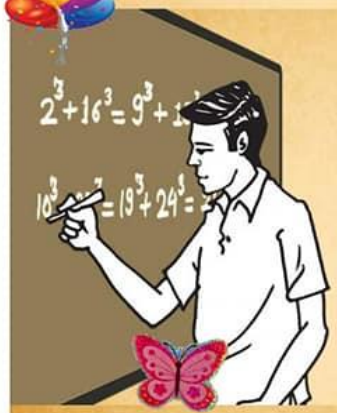

रामानुजन ने खुद ही गणित सीखा। उन्होंने गणित के 3,884 प्रमेयों (Theorem) का संकलन किया।

विश्वप्रसिद्ध गणितज्ञ प्रोफेसर हार्डी ने रामानुजन की तारीफ सुन उन्हें लंदन बुलाया और प्रतिभा के पैमाने पर रामानुजन को उन्होंने 100 में से 100 अंक दिए। दोनों की मित्रता गणित के क्षेत्र में सार्थक सिद्ध हुई।

Sanjay

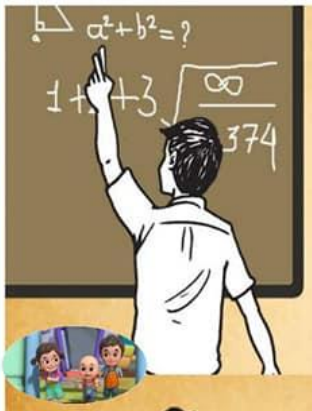

स्कूल के दौरान ही रामानुजन ने कॉलेज लेवल का गणित पढ़ लिया। वे खोज-खोज कर सवाल हल करते थे। नहीं मिलते थे, तो खुद ही सवाल बना कर उसे हल करने में जुट जाते थे। इससे उनकी ख्याति चारों ओर फैल गई।

रामानुजन को गणित के अलावा दूसरे विषय खास रूचि नहीं थी। इसका नतीजा यह निकला कि 11वीं में गणित को छोड़ सबमें वे फेल हो गए।

रामानुजन के परिवार की आर्थिक स्थिति बहुत खराब थी। पढ़ाई जारी रखने और घर खर्च चलाने के लिए इन्हें कई कष्ट और दुःख उठाने पड़े, लेकिन वे इससे कभी नहीं घबराए।

रामानुजन के द्वारा किए गए अधिकांश कार्य अभी भी वैज्ञानिकों के लिए अबूझ पहेली बने हुए हैं। वे सपने में भी गणित के प्रश्न हल किया करते थे और कई सूत्र और प्रमेय उन्होंने आधी रात को नींद से जागकर लिखे।
नामगिरी देवी रामानुजन के परिवार की ईष्ट देवी थीं। रामानुजन का कहना था कि देवी की कृपा से ही उन्हें सूत्र प्राप्त हुए हैं।
लैंडॉ-रामानुजन कांस्टेंट, रामानुजन-सोल्डनर कास्टेंट, रामानुजन थीटा फंक्शन, रॉजर्स-रामानुजन आइडेंटिटीज़, रामानुजन प्राइम जैसे कामों के लिए उन्हें प्रसिद्धी मिली।

संसार का पहला पुरुष कौन था? पृथ्वी और बादल के बीच कितनी दूरी है? इस तरह के प्रश्न वे स्कूल में पूछते थे जो टीचर्स को अटपटे लगते थे।

26 अप्रैल 1920 को 33 वर्ष की अल्पायु में उनका निधन हो गया, लेकिन गणितज्ञों के बीच वे आज भी अपने कार्यों की वजह से मौजूद हैं।

Teachers of Bihar
कोडिंग सीखेगा बिहार
इच्छा है तो संभव है!
HURRY!
LIMITED SEATS ONLY
Register Now
रविवार 10:00 से 11:00 AM
एवं गुरुवार 6:00 से 7:00 PM
ऑनलाइन जूम पर
zoom
www.tinyurl.com/Codingbihar
अधिक जानकारी के लिए विजिट करें
www.som.teachersofbihar.org/coding-sikhega-bihar

मंडाला आर्ट :- आस्था दीपाली

कोडिंग सीखेगा बिहार : इच्छा है तो संभव है!

क्या आपका बच्चे दिन भर मोबाइल पर गेम खेलते है ?
तो क्यों ना उसे गेम बनाना एवं कोडिंग सिखाया जाए ?
वर्षांत में टीचर्स ऑफ बिहार की एक अनूठी पहल। बिहार में सबसे पहले टीओबी के प्लेटफार्म पर प्रत्येक रविवार एवं गुरुवार को ऑनलाइन सीखें कोडिंग।
विशेष जानकारी के लिए नीचे के लिंक को क्लिक करें👇
https://som.teachersofbihar.org/coding-sikhega-bihar/
रेजिस्ट्रेशन के लिए नीचे लिंक को क्लिक करें👇
https://tinyurl.com/Codingbihar

अंश राज मिश्र

(कहानी) एक राजा था। जिसका नाम सरस्वतीचंद्र था। उसके दो बेटे थे, बड़े बेटे का नाम, विधान चंद्र और छोटे बेटे का नाम ज्ञानचंद था। बड़ा बेटा विधान चंद्र बहुत ही लालची था, और छोटा बेटा विद्वान और समझदार था।

एक दिन की बात है, वे दोनों अपने पिता के मित्र के राज्य में बल परीक्षा के लिए जाने लगे। उस राज्य के राजा का नाम विक्रम था। राजा विक्रम बहुत ही धनी था। एक दिन विधान चंद के मन में एक तरकीब सूझी कि, हम धीरे-धीरे करके बहुत सारा सोना अपने राज्य में ले जाएं तो हम सबसे ज्यादा धनी हो जाएंगे। अगले दिन जब विधान चंद बल की परीक्षा के लिए गया तो धीरे-धीरे सोना अपने राज्य में लाता गया।

जब यह बात राजा विक्रम को पता चला तो वे सोचने लगे कि, जब से राजा सरस्वतीचंद्र के दोनों बेटे आए हैं, उसके दूसरे दिन से ही सोना चोरी हो रही है। इसलिए दोनों भाइयों को राजा ने बुलवाकर पूछा कि किसे सोना चाहिए? और किसे बल विद्या चाहिए? तो विधान चंद्र ने बोला मुझे सोना चाहिए और ज्ञान चंद ने बोला मुझे बल विद्या चाहिए। अब राजा समझ गया कि चोर कौन है? फिर राजा ने सिपाहियों से कहा कि विधान चंद्र को कैदखाना में डाल दिया जाए और ज्ञानचंद को आदर सहित ढेर सारे सोना देकर उन्हें उनके अपने राज्य में छोड़ा जाए।

TEACHERS OF BIHAR

The change makers....

वैज्ञानिक कारण

सर्दियों में मुंह से भाप निकलते देख अक्सर बचपन मे हम हमारे मित्रो से झूठ बोलकर मजे लेते हुए कहते थे कि देखो मेने बीड़ी/सिगरेट पी है, ये उसका धुँआ निकल रहा है। वास्तव में सांस लेने की क्रिया के दौरान शरीर में कार्बन डाइऑक्साइड और पानी बनते है। यही पानी जलवाष्प के रूप में हमारे फेफड़ों द्वारा वाष्पीकरण होकर मुंह या नाक से बाहर निकाल दी जाती है।

श्वसन और पाचन के दौरान बननेवाला जल और हमारे द्वारा पिया गया जल भी मूत्र, पसीना, वाष्पीकरण द्वारा ही बाहर आता है। सर्दियों में शरीर से बाहर यानी की वायुमंडल का तापमान बहुत कम होता है। जैसे ही यह जलवाष्प सांस के साथ बाहर आती है, तुरंत ही संघनित होकर पानी की छोटी-छोटी बूंदों में बादल आती है और धुआ - सा दिखाई देने लगता है। गर्मियों में बाहर का तापमान अधिक होने के कारण ये जलवाष्प संघनित नहीं हो पाती है और तेजी से पुनः वाष्पीकरण हो जाता है, जिस कारण ऐसा दिखाई नहीं देता।

-: प्रस्तुतकर्ता :-

त्रिपुरारि राय

मध्य विद्यालय रौटी, महिषी (सहरसा)

वर्षा कुमारी

(लघुकथा) **(दोस्ती)**

जंगल में एक सियार और एक भालू दोनों मित्र खुशी-खुशी रहते थे। एक दिन दोनों जंगल की ओर चल पड़े। चलते-चलते अचानक भालू फिसल कर गिर पड़ा। जब तक सियार उसे उठाता तब तक वहां एक शेर आ गया। शेर बहुत भूखा था। उसने जब गिरे हुए भालू को देखा तो उसके मुंह में पानी आ गया। उसने सोचा अच्छा मौका है अब तो मैं इन दोनों को खा लूंगा। सियार चाहता तो भालू को गिरा हुआ छोड़कर भाग सकता था, लेकिन उसने मरने की परवाह किए बिना भालू को उठाने की कोशिश जारी रखा। दुर्भाग्यवश दोनों शेर के भोजन बन गए।

:- नैतिक शिक्षा :-

इस कहानी से हमें यह सीख मिलती है कि चाहे कितनी भी बड़ी मुश्किल क्यों ना हो, अपने दोस्त को मुसीबत में नहीं छोड़ना चाहिए। हमेशा उसका साथ देना चाहिए।

पहेली

1) मैं तो सबका प्यारा हूँ, हरा रंग का रहता हूँ, चोंच मेरी लाल है, मिट्ठू राजा नाम है।	2) मैं पंछी का राजा हूँ, बहुत सुंदर दिखता हूँ, नाच करना काम है, बोलो क्या मेरा नाम है?

दिव्या झा- 4

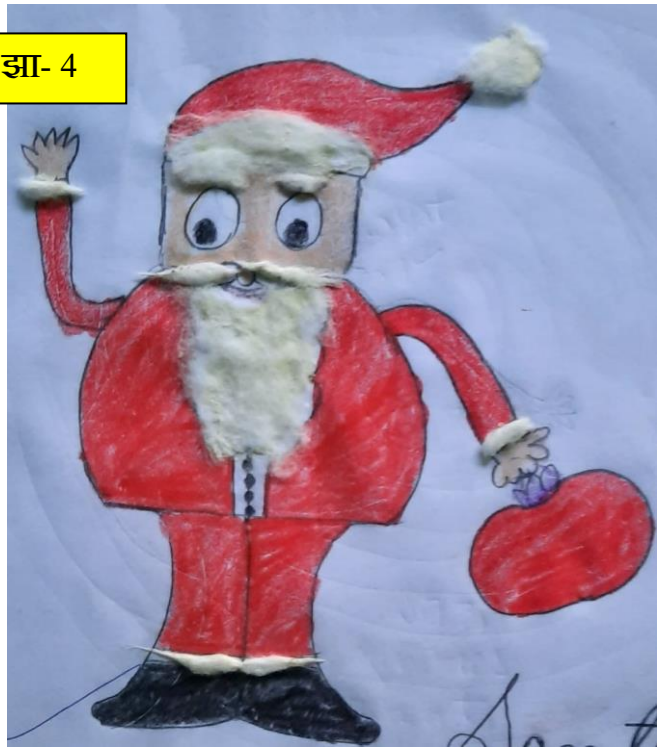

ENGLISH

ENGLISH GRAMMAR

PLURAL NOUNS

Woodward ENGLISH

Regular Nouns add -S		Ends in S, CH, SH, X or Z add -ES		Ends in F or FE remove F/FE add -VES	
1 car	2 cars	1 bus	2 buses	1 leaf	2 leaves
1 dog	2 dogs	1 match	2 matches	1 wolf	2 wolves
1 book	2 books	1 dish	2 dishes	1 life	2 lives
1 house	2 houses	1 box	2 boxes	1 knife	2 knives
1 apple	2 apples	1 quiz	2 quizzes	*Exceptions:*	*roof - roofs* *cliff - cliffs*

Ends in VOWEL + Y add -S		Ends in CONSONANT + Y remove Y add -IES		Irregular Nouns	
1 day	2 days	1 city	2 cities	1 man	2 men
1 key	2 keys	1 baby	2 babies	1 child	2 children
1 boy	2 boys	1 story	2 stories	1 foot	2 feet
1 guy	2 guys	1 party	2 parties	1 tooth	2 teeth
1 donkey	2 donkeys	1 country	2 countries	1 mouse	2 mice
				1 person	2 people

Ends in VOWEL + O add -S		Ends in CONSONANT + O add -ES		No Change	
1 zoo	2 zoos	1 hero	2 heroes	1 sheep	2 sheep
1 radio	2 radios	1 echo	2 echoes	1 deer	2 deer
1 stereo	2 stereos	1 tomato	2 tomatoes	1 fish	2 fish
1 video	2 videos	1 potato	2 potatoes	1 series	2 series
1 kangaroo	2 kangaroos	*Exceptions:*	*piano - pianos* *photo - photos*	1 species	2 species

www.grammar.cl www.woodwardenglish.com www.vocabulary.cl

मयंक राज-7

आद्या

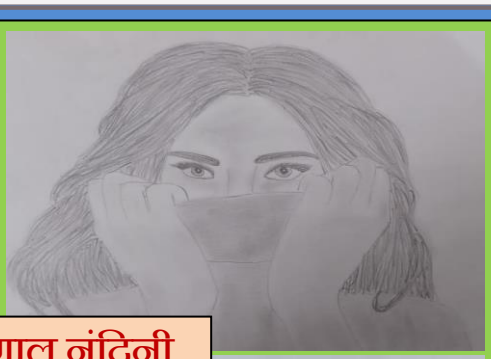

मृणाल नंदिनी

नन्हीं

सामन्य ज्ञान

1) भारत का सबसे ठंडा डेस्टिनेशन (सर्द मानवी बसेरा) :- द्रास (जम्मू- कश्मीर)

2) दुनिया की सबसे ठंडी जगह :- साइबेरिया

3) दुनिया के ठंडे जगहों में से द्रास कितने स्थान पर आता है | :- दूसरे स्थान पर

4) सर्दियों में द्रास का औसत तापमान :- -40°से-45° के आसपास

5) गर्मियों में द्रास का तापमान :-15° के आसपास

6) द्रास को अक्सर किस नाम से जाना जाता है? :- गेटवे टू लद्दाख

7) द्रास किस जिले में है? :- कारगिल ज़िला

8) द्रास किस प्रांत में है? :- लद्दाख

9) द्रास समुद्र तल से कितनी ऊंचाई पर स्थित है? :- 3230 मी. की ऊंचाई पर

10) द्रास में कौन सी भाषा बोली जाती है? :- शीना और हिंदी

प्रस्तुतकर्ता-
रूबी कुमारी (शिक्षिका)
उ.म.वि. बौंसी

प्रेयश मिश्रा

दीक्षा स्वप्निल

सूचना :- यदि आपमें भी है अपनी कला दिखाने की चाहत, तो आप सभी बच्चे भी हमें अपनी रचनाएँ भेजें | आप अपनी रचनाएँ हमें हमारे Whatsapp No. 6202839650 (Tripurari Roy) पर भेजें | चुनी गई उत्कृष्ट रचनाएँ, चित्रों, लेखों आदि को हम 'बालमंच' में प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे |

नवम्बर, 2020 अंक के पहेली का उत्तर:- 1) अप्रेल फूल
2) सितारे

मिहिर कात्यायन

आस्था दिपाली द्वारा पुरानी चीनी मिटटी प्लेट पर की गई आर्ट वर्क

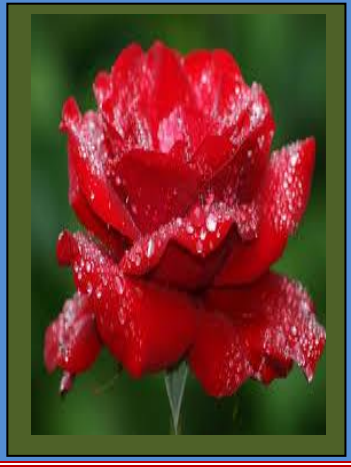

समाप्त